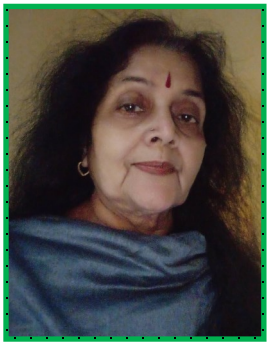

डॉ. मधु आंधीवाल

अलीगढ़, उत्तर प्रदेश

कल शाम

नीलू उन पलों में पहुँच गयी जब अल्हड़ सी नाजुक सी एक नवयौवना अपने ही काल्पनिक सपनों में गुम छत की मुंडेर पर बैठी इस दिल को छूने वाली ठंडी शाम में डूबते सूरज को निहार रही थी । उसे यह नहीं मालूम था कि सामने वाले मकान की खिड़की में से अपलक कोई युवक उसे बड़े प्यार से निहार रहा है।

दूसरे दिन जब वह कालिज जाने को निकली उसे लगा कोई उसके पीछे आ रहा है। वह ठिठकी उसी समय उसे आवाज सुनाई दी हाय– मैं मिलन आपके सामने ही रहता हूँ ।

वह थोड़ा सकपकाई बोली पहले कभी नहीं देखा । मिलन बोला हां अभी हम लोग इसी हफ्ते शिफ्ट हुये हैं । मै फिजिक्स में रिसर्च कर रहा हूँ । पापा बैंक में मैनेजर हैं और आप । वह बोली मेरा नाम नीलू है मैं ग्रेजुएशन कर रही हूँ पापा सिविल इंजीनियर हैं। जब मिलन ने कहा कि मेरी छोटी बहन रीति भी ग्रेजुएशन कर रही है तब एक दम से नीलू बोली क्या आप रीति के भाई हैं हां वह मेरी क्लास मेट है नया एडमीशन है।

बस दोनों ऐसे घुल मिल गये जैसे बहुत पुरानी जान पहचान हो । यह मिलना भी ठंडी शाम से शुरू होकर गर्माहट में बदल गया । बहुत से वायदे प्यार भरी बाते रूठना मनाना इन सब के चलते प्यार परवान चढ़ने लगा । यह बातें छुपती नहीं और जब दोनों के घर वालों को पता लगी तब कुछ बन्दिशे नीलू पर लगा दी गयी पर दोनों की जिद के आगे घर वालों को झुकना पड़ा । शादी की तैयारी शुरू होगयी । कार्ड भी बंटने लगे । ठंड का मौसम था । शाम से ही अन्धेरा होने लगता था पता नहीं आज नीलू को सुबह से ही रोना आरहा था उसकी छोटी बहन ने मजाक मजाक में कहा भी अरे अब तो बस एक हफ्ता रह गया फिर जीजू के सामने सब भूल जाओगी अभी मायके का छूटना विचलित कर रहा है पर उसका दिल नहीं माना और उसने मिलन को फोन लगा दिया । हलो हां मिलन तुम कहां हो मुझे आज अच्छा नहीं लग रहा । मिलन ने हंसते हुये कहा अरे क्यों परेशान हो मै अपने दोस्तों को कार्ड देने जा रहा हूँ लौट कर बात करता हूँ । वह बोली कल दे देना मिलन ने कहा पगली अब समय नहीं है कल शाम को मिलता हूँ । बस वह आखिरी शाम थी । रात को लौटते समय एक ट्रक से बाइक टकराई और मिलन उछल कर गिरा सिर में गम्भीर चोट आई । जब तक घर वालों को पता लगा वह इस दुनिया से जा चुका था ।

एक पल में सब खत्म । नीलू तो पत्थर की तरह हो गयी । मिलन के घर में तो दुखों का पहाड़ टूट गया था । मैनेजर साहब ने अपना ट्रांसफर करा लिया इस शहर ने उनका बेटा छीन लिया था । नीलू ने शादी ना करने की ठान ली पर वह आज भी इस ठंडे मौसम में छत पर मिलन का इन्तजार करती क्योंकि मिलन ने कहा था कि कल शाम को मिलता हूँ ।